दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार 10 अगस्त 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 314

महत्वपूर्ण एवं खास

तेज रफ्तार वाहन की सडक़ पर खड़े ट्रक से टक्कर, चार लोगों की मौत

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के कन्नौज में खड़े ट्रक में पीछे से डीसीएम घुसने से 4 की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कन्नौज में हुए सडक़ हादसे पर मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। वहीं घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके उपचार के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही घायल के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। सीएम ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। बता दें कि कन्नौज जिले में गुरसहायगंज कोतवाली क्षेत्र के जुनेदपुर गांव के पास शुक्रवार सुबह लगभग 7 बजे दिल्ली से कानपुर की तरफ जा रहे चालक ने सर्विस रोड पर अपना ट्रक खड़ा कर दिया था। वह केबिन में ही सो गया। सुबह पीछे से आ रही डीसीएम खड़े ट्रक से टकरा गई। इसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली प्रभारी गुरसहायगंज आलोक दुबे और चौकी प्रभारी मझपुरवा श्याम पाल सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों और हाइवे कर्मियों की मदद से क्रेन से डीसीएम के केबिन में फंसे लोगों को बाहर निकलवा कर जिला अस्पताल भिजवाया और हाईवे मार्ग को सुचारू करवाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नोएडा में डंपर में भीषण आग लगी, ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान

नोएडा (आरएनएस)। नोएडा में बीती देर रात एक डंपर में भीषण आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने पूरे डंपर को अपनी चपेट में ले लिया। ड्राइवर ने कूदकर अपनी जान बचाई।इसके बाद उसने पुलिस और फायर बिग्रेड को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की तीन गाडिय़ों ने आग पर काबू पाया। फिलहाल, इस घटना में कोई भी जनहानि नहीं हुई। रिपोर्ट के अनुसार, बीती रात हिंडन नदी के पुल पर पर्थला से फेज-2 की ओर जा रहे एक डंपर में अचानक आग लग गई। यह सीएनजी और पेट्रोल से चलने वाला डंपर था। आग की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। आग डंपर के केबिन में लगी थी। आग लगते ही ड्राइवर ने वाहन को रोका और कूदकर अपनी जान बचाई।कुछ ही देर में आग पूरे डंपर में फैल गई। मौके पर पहुंची फायर बिग्रेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। स्थानीय प्रशासन और फायर सर्विस विभाग ने घटना की जांच शुरू कर दी है। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। अक्सर यह देखने को मिल रहा है कि सीएनजी की गाडिय़ों में शॉर्ट सर्किट की वजह से जल्दी आग पकड़ रही हैं। लगातार लोगों को हिदायत दी जा रही है कि वाहनों की सर्विस बाहर से न करा कर संबंधित वाहन के सर्विस स्टेशन में ही करवाएं। कोई भी वायरिंग अगर पुरानी और ढीली हो तो उसे तुरंत ठीक करवाएं।

तालाब मे स्नान करते समय दो सगे भाइयों की डूबने से हुई मौत

कादीपुर/सुलतानपुर (आरएनएस)। कोतवाली क्षेत्र के बनके गाँव निवासी आंशिक यादव उम्र 12 वर्ष व अंश यादव उम्र 8 वर्ष पुत्र सोहन यादव गुडिया का त्योहार मनाने गाँव स्थित तालाब पर गये थे। सूत्रों के अनुसार छोटा भाई गुडिया पीटत्ते पीटते तालाब के गहरे पानी मे जा पहुंचा जहा वह डूबने लगा, बड़ा भाई यह देखकर उसे बचाने के लिए गहरे पानी मे चला गया जहा दोनो की डूबने से मौत हो गयी। दोनो को समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहा से पुलिस की देख रेख मे मर्चरी हॉउस सुल्तानपुर भेजा गया। घटना की सूचना मिलते ही उपजिलाधिकारी उत्तम तिवारी, तहसीलदार घनश्याम भारतीय व क्षेत्राधिकारी विनय गौतम स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और परिवार को संत्वना देते हुए हर सम्भव मदद करने की बात कही। परिवारिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।क्षेत्र मे दो सगे भाइयो की मौत से गहरा शोक है।

बीएसएफ अलर्ट

भारत आने के लिए जलपाईगुड़ी में एकत्रित हुए 300 बांग्लादेशी

जलपाईगुड़ी । आरएनएस

बांग्लादेश में हिन्दुओं और अल्पसंख्यक समुदाय पर लगातार हो रहे हमलों के बीच 300 बांग्लादेशी भारत के जलपाईगुड़ी जिल के समीप एकत्रित हुए। वह भारत आने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन, बॉर्डर पर तैनात फोर्स ने उन्हें हटा दिया। दरअसल, बांग्लादेश में जब से आरक्षण की मांग को लेकर छात्रों का प्रदर्शन हिंसा में बदला है, बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार बढ़ता चला गया। सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल किए गए। हालांकि, नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने गुरुवार को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली। पीएम मोदी ने मोहम्मद यूनुस को शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने बांग्लादेश में सामान्य स्थिति के शीघ्र बहाल होने की उम्मीद जताई और देश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और संरक्षण की अपील की।

पीएम ने एक्स पर लिखा, प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस को उनकी नई जिम्मेदारियां संभालने पर मेरी शुभकामनाएं। हम उम्मीद करते हैं कि जल्द ही सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी और हिंदुओं और अन्य सभी अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। भारत शांति, सुरक्षा और विकास के लिए दोनों देशों के लोगों की साझा आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बांग्लादेश के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

यूनुस एक सामाजिक उद्यमी और बैंकर हैं, जिन्हें उनके माइक्रो फाइनेंस कार्य के लिए 2006 का नोबेल शांति पुरस्कार मिला था। बता दें कि बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता के मद्देनजर पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद छोडऩा पड़ा और वे भारत आ गई हैं। वहीं, बांग्लादेश में पैदा हुई अराजकता की स्थिति में बांग्लादेश और भारत जोडऩे वाले बॉर्डर पर बीएसएफ द्वारा सुरक्षा बढ़ा दी गई है। वहीं, बांग्लादेश से सटे पांच राज्यों में सुरक्षा के मद्देनजर हाई अलर्ट कर दिया गया है। जिन राज्यों में हाई अलर्ट है, इनमें पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, असम, मिजोरम और मणिपुर है।

बांग्लादेश को लोगों को भारत में घूसने से रोकने के लिए केंद्र सरकार ने उठाया बड़ा कदम

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जानकारी दी है कि नरेंद्र मोदी सरकार ने शुक्रवार को भारत-बांग्लादेश सीमा पर मौजूदा स्थिति की निगरानी के लिए एक कमेटी का गठन किया है।

अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, बांग्लादेश में चल रही स्थिति के मद्देनजर मोदी सरकार ने भारत-बांग्लादेश सीमा (आईबीबी) पर मौजूदा स्थिति की निगरानी के लिए एक समिति का गठन किया है। समिति बांग्लादेश में अपने समकक्ष अधिकारियों के साथ संचार चैनल बनाए रखेगी, ताकि भारतीय नागरिकों, हिंदुओं और वहां रहने वाले अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। समिति की अध्यक्षता एडीजी, सीमा सुरक्षा बल, पूर्वी कमान करेंगे।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति पर राज्यसभा में बयान दिया था। उन्होंने अल्पसंख्यकों, उनके व्यवसायों और मंदिरों पर हो रहे हमलों पर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ढाका में अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है। नई दिल्ली को उम्मीद है कि वहां की सरकार अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के अलावा बांग्लादेश में भारतीय प्रतिष्ठानों को सुरक्षा प्रदान करेगी। उन्होंने बांग्लादेश से संबंधित हाल के घटनाक्रमों के बारे में सदन को अवगत कराते हुए कहा था कि भारत-बांग्लादेश संबंध कई दशकों से और कई सरकारों के दौरान घनिष्ठ रहे हैं। नई दिल्ली को स्थिति स्थिर होने पर सामान्य कामकाज की उम्मीद है।

शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने और देश छोडऩे के बाद भी बांग्लादेश में हिंसा की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। अब उपद्रवी अल्पसंख्यक हिंदुओं, शेख हसीना और उनकी पार्टी अवामी लीग के समर्थकों और उनके प्रतिष्ठानों को निशाना बना रहे हैं।

17 महीने बाद जेल से बाहर आएंगे मनीष सिसोदिया, सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

नई दिल्ली । आरएनएस

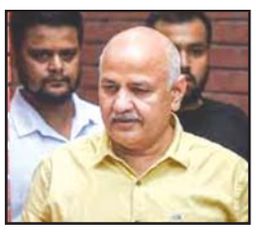

आबकारी नीति मामले में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसोदिया को 17 महीने जेल में रहने के बाद जमानत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने मनीष सिसोदिया को जमानत दे दी है। इस मामले पर आदेश जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथ की पीठ ने तीन दिन पहले 6 अगस्त को ही सुरक्षित रख लिया था। मनीष सिसोदिया ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। दरअसल हाईकोर्ट ने सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

मनीष सिसोदिया को जमानत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा,'जमानत के मामले में हाईकोर्ट और ट्रायल कोर्ट सुरक्षित खेल रहे हैं। सजा के तौर पर जमानत से इनकार नहीं किया जा सकता। अब समय आ गया है कि अदालतें समझें कि जमानत एक नियम है और जेल एक अपवाद है। सर्वोच्च अदालत ने सिसोदिया को तीन शर्तों पर जमानत दी है। पहला ये कि उन्हें 10 लाख रुपए का मुचलका भरना होगा। इसके अलावा उन्हें दो जमानतदार पेश करने होंगे। वहीं, तीसरी शर्त यह है कि वह अपना पासपोर्ट सरेंडर कर देंगे। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने आज सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया कि मनीष सिसोदिया को दिल्ली के मुख्यमंत्री कार्यालय में प्रवेश करने से रोक दिया जाए। लेकिन सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि हम इसकी अनुमति नहीं दे सकते हैं। स्वतंत्रता का मामला हर दिन मायने रखता है।

वायनाड भूस्खलन के 11वें दिन तलाशी अभियान जारी, अब भी लापता हैं 152 लोग, ग्रामीणों की ली जाएगी मदद

वायनाड । आरएनएस

केरल के वायनाड में 30 जुलाई को आए भीषण भूस्खलन के बाद मची तबाही से लापता 152 लोगों का तलाशी अभियान शुक्रवार को भी जारी रहा। इस त्रासदी में अब तक 413 लोग हताहत हो चुके हैं। तलाशी अभियान मुंडाकायिल और पंचिरिमाटोम इलाकों में चल रहा था।

बचाव और राहत अभियान का नेतृत्व कर रहे राज्य के पर्यटन मंत्री पी.ए. मोहम्मद रियास ने कहा कि तलाशी अभियान शुक्रवार को समाप्त होगा और रविवार को फिर से ग्रामीणों की मदद से इसी तरह का तलाशी अभियान चलाया जाएगा क्योंकि ग्रामीण इस क्षेत्र से भली भांति परिचित हैं।

त्रासदी के बाद बचाव अभियान अभी तक जारी है। शुक्रवार को भी कुछ टीमों ने चालियार नदी के आस पास के क्षेत्रों में सर्च अभियान चलाया। यहां से अब तक 78 शव और 150 से अधिक शारीरिक अंग बरामद किए जा चुके हैं।

इस बीच शुक्रवार का दिन अहम है क्योंकि केरल हाई कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज करने का फैसला किया है।

उच्च न्यायालय ने संज्ञान उन मीडिया रिपोर्ट्स और पत्रों के आधार पर लिया है जिसमें कहा गया था कि वायनाड में पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों का बेलगाम शोषण किया गया।

बताया जा रहा है कि विशेषज्ञों ने इस विषय पर चेताया था कि राज्य के कई जगहों पर लचर प्रबंधन के कारण इस तरीके की आपदा घट सकती है। इन छोटी-छोटी त्रासदियों से स्पष्ट संकेत मिलने के बाद भी अधिकारी हाथ पर हाथ रख चुप बैठे रहे।

आरोप है कि केरल में कई सरकारें बनीं। लेकिन इन सरकारों ने कस्तूरीरंगन और माधव गाडगिल जैसे बड़े विशेषज्ञों की रिपोर्ट्स पर कभी ध्यान नहीं दिया।

भले ही केरल में पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के मुद्दों से निपटने के लिए राज्य संचालित चार एजेंसियां हैं फिर भी इस मुद्दे पर कोई विशेष काम नहीं हुआ।

उज्जैन में 3 गायों को खिलाई गई जहर वाली रोटी', तड़प-तड़पकर हुई मौत

उज्जैन । आरएनएस

महाकाल की नगरी उज्जैन में बुधवार देर शाम उस समय भयंकर बवाल मच गया जब रोटी खाने से अचानक तीन गायों की तड़प-तड़पकर मौत हो गई। गायों की मौत के बाद हिंदूवादी संगठन ने आरोप लगाया है कि रोटी में जहर मिलकर खिलाया गया।

संगठन के लोगों ने गायों के शव को चौराहे पर रखकर प्रदर्शन किया और चक्का जाम कर दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन दिया और प्रदर्शन खत्म कराया।

-तड़प-तड़पकर मर गई गायें

जानकारी के मुताबिक उज्जैन के खाराकुंवा थाना क्षेत्र के नमक मंडी में बुधवार की शाम तीन गायें सडक़ किनारे बैठी थीं। अचानक गायों के मुंह से झाग निकलने लगा। वो तड़पने लगीं।

जानकारी मिलते ही हिंदू संगठन मौके पर पहुंच गया। फौरन जानवरों के डॉक्?टरों को बुलाया गया लेकिन तबतक गायों की मौत हो चुकी थी। घटना के बाद हिंदूवादी संगठन के लोग काफी नाराज हो गए और शव को सडक़ पर रखकर प्रदर्शन करने लगे।

-किसने डाली गायों के सामने रोटी

जिस जगह पर गायों की मौत हुई वहां मौजूद स्थानीय लोगों ने बताया कि शाम करीब 5 बजे एक अज्ञात शख्?स ने गायों के सामने रोटी डाली थी। रोटी खाने के बाद गायों की मौत हो गई। लोगों को यह संदेह है कि उस व्यक्ति ने रोटी में जहर मिलाया होगा।

-कुछ दिनों पहले काटी गई थी गाय की पूंछ

बजरंग दल के जिला संयोजक ऋषभ कुशवाह ने आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ समय पहले ढांचा भवन में गाय की पूंछ काट दी गई थी उसके बाद फिर तिरुपति धाम के पास सिर कटा मिला था। इसके बाद नागझिरी में गाय का कटा सिर मिलने के बाद अब नमक मंडी में जहर देकर तीन गायों को मार दिया गया, लगता है ये प्रशासन और हिंदू समाज को खुली चुनौती है। अगर पुलिस ने इसमें 24 घंटे में कार्रवाई नहीं की तो उग्र प्रदर्शन होगा।

नालन्दा : एनएच- 20 पर सड़क हादसे में युवक की मौत, बाजार से लौट रहा था घर

नालंदा । आरएनएस

जिले में बीती रात सडक़ हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। मामला गिरियक थाना क्षेत्र अंतर्गत बख्तियारपुर रजौली फोरलेन के बढ़ेता शिव मंदिर के समीप की है। मृतक की पहचान गिरियक थाना क्षेत्र के सतौआ बेलदारी गांव निवासी मोहम्मद साबिर अंसारी के (27) वर्षीय पुत्र रिजवान अंसारी के रूप में की गई है। शुक्रवार की सुबह परिजन शव के पोस्टमार्टम को लेकर बिहार शरीफ सदर अस्पताल पहुँचे।घटना के संबंध में मृतक के भाई सोहेल अंसारी ने बताया कि गुरुवार रात करीब 8:00 बजे रिजवान अंसारी गिरियक बाजार से अपनी बाइक से घर लौट रहा था। इसी बीच पीछे से एक ट्रक ने टक्कर मार दी। जिसके कारण वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। आसपास के लोगों ने इस बात की सूचना दी, आनन- फानन में जख्मी हालत में इलाज के लिए पावापुरी मेडिकल कॉलेज ले जाने लगे तभी रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। तत्काल इस बात की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। ट्रक चालक गाड़ी घटनास्थल पर छोड़ मौके से फरार हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस ने ट्रक को जप्त कर लिया। वहीं शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया। गिरियक थाना अध्यक्ष साकेंद्र कुमार बिंद ने बताया कि परिजनों के द्वारा आवेदन प्राप्त कर ट्रक को जप्त करते हुए वाहन नंबर के आधार पर पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है।

भारतीय परिधान और कपड़ा उद्योग ने ली बढ़त

एएमएचएसएससी और ब्लूसाइन ने कपड़ा उद्योग के लिए अत्याधुनिक ई-लर्निंग कोर्स किया लॉन्च

नई दिल्ली । आरएनएस

अपैरल मेड-अप्स एंड होम फर्निशिंग सेक्टर स्किल काउंसिल (एएमएचएसएससी) ने ब्लूसाइन0 के साथ साझेदारी में ओबेरॉय गुरुग्राम होटल में आयोजित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में फाउंडेशन टू अपैरल सस्टेनेबिलिटी ई-लर्निंग कोर्स को गर्व से लॉन्च किया। यह पहल भारत के परिधान और कपड़ा उद्योग में स्थायी और नैतिक प्रथाओं को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतीक है।भारत का परिधान और कपड़ा क्षेत्र राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है, जो जीडीपी में लगभग 2% और विनिर्माण उत्पादन में 18% का योगदान देता है। यह 45 मिलियन व्यक्तियों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करता है और संबद्ध उद्योगों में 60 मिलियन अतिरिक्त लोगों का समर्थन करता है। दुनिया के 5वें सबसे बड़े निर्यातक के रूप में, भारत की प्रमुखता इस क्षेत्र में सतत विकास की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करती है।उद्घाटन समारोह में रिचा ग्लोबल प्रा. लिमिटेड अध्यक्ष वीरेंद्र उप्पल, अपैरल एक्सप्रोर्ट प्रमोशन काउंसिल(रश्वक्कष्ट) अध्यक्ष सुधीर सेखरी, ्ररू।स्ष्ट चेयरमैन पद्मश्री डॉ. ए सक्थिवेल और डायरेक्टर ऑफ कस्टमर रिलेशंस ब्लूसाइन टेक्नोलॉजीज कैथरीन वेरेना मेयर आदि उद्योग जगत की हस्तियों ने शिरकत की। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन से की गई। एएमएचएसएससी और ब्लूसाइन0अकादमी द्वारा विकसित फाउंडेशन टू अपैरल सस्टेनेबिलिटी कोर्स सितंबर 2024 में शुरू होगा। यह 8 सप्ताह का ऑनलाइन कार्यक्रम साप्ताहिक ई-लर्निंग सत्रों के माध्यम से कपड़ा उद्योग में पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) पहलुओं की गहन खोज करेगा, विशेष रूप से यह भारतीय बाजार पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह कोर्स 2070 तक नेट जीरो हासिल करने के भारत की प्रतिबद्धता का समर्थन करता है। और उद्योग लीडर्स को स्थायी प्रथाओं को लागू करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करेगा। परिधान उद्योग में वरिष्ठ और मध्य प्रबंधन पेशेवरों के लिए अनुकूलित, यह पाठ्यक्रम व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जिसे प्रतिभागी सीधे अपने विनिर्माण इकाइयों में लागू कर सकते हैं। इसमें शामिल विषयों में स्थायी फैशन, फैशन उद्योग का ऐतिहासिक विकास, स्थायी फाइबर, पर्यावरण के अनुकूल कपड़ा प्रक्रियाएँ, प्रभाव और पदचिह्न आकलन, रासायनिक प्रबंधन, परिधान स्थिरता में सामाजिक और नैतिक पहलू, और स्थिरता रिपोर्टिंग शामिल हैंयह पहल भारत के परिधान और कपड़ा क्षेत्र में जिम्मेदार व्यावसायिक आचरण के लिए एक नया मानदंड स्थापित करती है, जो अंतर्राष्ट्रीय अपेक्षाओं और नैतिक और स्थायी उत्पादों की बढ़ती उपभोक्ता मांगों के साथ मेल खाती है। इस कोर्स से पूरे भारत में स्थानीय उद्योग प्रथाओं में महत्वपूर्ण सुधार की उम्मीद है, जो अधिक स्थायी और प्रतिस्पर्धी वातावरण को बढ़ावा देगा।

एएमएचएसएससी चेयरमैन पद्मश्री डॉ. ए सक्थिवेल ने अतिथि श्री वीरेंद्र उप्पल, अध्यक्ष, रिचा ग्लोबल प्रा. लिमिटेड और श्री सुधीर सेखरी, अध्यक्ष(रश्वक्कष्ट) का आभार व्यक्त किया, उन्होंने अपैरल और होम फर्निशिंग उद्योग में पर्यावरण, सामाजिक और शासन (श्वस्त्र) पर इस महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम को बढ़ावा देने में उनके अमूल्य योगदान के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने एटीडीसी के बोर्ड उपाध्यक्ष श्री राकेश वैद और एटीडीसी के श्री विजय जिंदल को उनके निरंतर समर्थन के लिए भी धन्यवाद दिया।डॉ. ए सक्थिवेल ने कार्यक्रम के मार्गदर्शक सिद्धांत पृथ्वी बचाओ, ग्रह बचाओ पर जोर दिया, जो परिधान निर्माण उद्योग को श्वस्त्र मानकों का पालन करने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने निर्मित वस्तुओं के लिए डिजिटल पासपोर्ट पर आगामी ईयू नीति पर भी प्रकाश डाला और ब्लूसाइन टेक्नोलॉजीज के समर्थन से उद्योग से सक्रिय रूप से तैयार रहने का आग्रह किया।